

सिनेरिया चेंज कर देगा मॉडर्न हेप्टिक्स

जयपुर आए जाने माने साइंटिस्ट प्रो. एम. ए. श्रीनिवासन से पत्रिका प्लस की खास बातचीत

पत्रिका **PLUS** रिपोर्टर

जयपुर ♦ मॉडर्न हेप्टिक्स (सेंस ऑफ टच) क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। कम्प्यूटर या वर्चुअल हेप्टिक्स वो टेक्नोलॉजी है, जिससे एक माइक्रोन तक के सेल को कंट्रोल किया जा सकता है। यानी कि अमेरिका में बैठा कोई डॉक्टर इंडिया में किसी सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दे सकता है। यह कहना है मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में 'टच लैब' की शुरुआत करने वाले साइंटिस्ट प्रो.एम.ए.श्रीनिवासन का। गुरुवार को जेकेएलयू में स्टूडेंट्स को संबोधित करने आए प्रो.श्रीनिवासन ने पत्रिका प्लस से खास बातचीत की। उन्होंने बताया कि टच लैब में कई प्रोटोटाइप बनाए जा चुके हैं। फिलहाल रोबोटिक स्किन को लो कॉस्ट बनाने पर काम चल रहा है। इसके जरिए आर्टिफिशियल स्किन में ह्यूमन स्किन का फील लाया जा सकेगा। जिसका फायदा जयपुर फुट जैसे प्रोस्थेटिक्स में होगा।

हैल्थकेयर में आएगा बदलाव

उन्होंने कहा कि हैल्थकेयर में मॉडर्न हेप्टिक्स बड़ा बदलाव लाएगा। हैल्थकेयर इंस्ट्रूमेंट्स के साथ ही मेडिकल सिमुलेशन के लिए इसका इस्तेमाल काफी फायदेमंद होगा। डॉक्टर रिमोट एरियाज में सर्जरी को



नई चीजें सीखने की जरूरत

प्रो.श्रीनिवासन का मानना है कि यदि रिसर्च को बढ़ावा देना है तो सरकार को फंडिंग बढ़ानी चाहिए। मैं इस प्रोजेक्ट को फेडरल गवर्नमेंट के सपोर्ट और ग्रांट से ही आगे बढ़ा सका।

क्या रोबोटिक्स इंडियन जॉब्स पर असर डालेगी?

के जवाब में उन्होंने कहा कि एक जॉब क्रिएट होगा और एक जाएगा। इसलिए स्टूडेंट्स को घराने की जरूरत नहीं है, बल्कि अपने स्किल्स को इम्पूव करने की जरूरत है।

स्टूडेंट्स को क्यूरियस होना चाहिए।

नई चीजें सीखनी चाहिए और थोड़ा रिस्की भी होना चाहिए। दुनियाभर में तमाम संभावनाएं उनका इंतजार कर रही हैं।

अंजाम दे पाएंगे। इसके अलावा टेक्सटाइल इंडस्ट्री में भी यह फायदेमंद साबित होगा। प्रो.श्रीनिवासन ने कहा कि आईआईटी मद्रास में मेडिकल सिमुलेशन का प्रोजेक्ट बनाया गया है। इस

टेक्नोलॉजी का उपयोग लोकेलिटी के हिसाब से किया जा सकता है। मसलन, राजस्थान के क्राफ्ट्समैन को वर्चुअल रियलिटी से ट्रेनिंग दी जा सकती है। इससे उनकी प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी।